शेयर बाजार में तेजी के बावजूद

खुदरा निवेशकों ने दो महीने में निकाले 23,405 करोड़ रुपये

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 3 दिसंबर

निवेश के हालिया पैटर्न से पता चलता है कि खुदरा निवेशक खरीद और उसे होल्ड करने के दृष्टिकोण से दूरी बना रहे हैं और ज्यादा जानकारी के साथ शॉर्ट टर्म पोजीशन बनाने की ओर बढ़ रहे हैं।

पिछले दो महीने भारतीय इक्विटी में तीव्र उछाल का दौर रहा है और इस दौरान खुदरा निवेशक नकदी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे हैं। हालांकि उन्होंने म्युचुअल फंड के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से खरीदारी जारी रखी है।

अक्टूबर में, बेंचमार्क निफ्टी में 4.5 फीसदी, निफ्टी मिडकैप 100 में 5.8 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 4.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। नवंबर में निफ्टी और निफ्टी मिडकैप 100 में बढ़त देखी गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 3 फीसदी लुढ़क गया। फिर भी खुदरा निवेशकों ने अक्टूबर और नवंबर में 23,405 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। यह रुझान पूरे साल बना रहा और खुदरा निवेशक आमतौर पर बेंचमार्क सूचकांकों के बढ़ने पर शुद्ध विक्रेता और बाजार में गिरावट आने पर शुद्ध खरीदार बन गए।

प्रत्यक्ष इक्विटी से रणनीतिक वापसी घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की ओर से जारी निवेश के विपरीत है, जिसका नेतृत्व म्युचुअल फंड कर रहे हैं। अन्य डीआईआई मसलन बीमा कंपनियां और पेंशन फंड भी एसआईपी, प्रीमियम और दीर्घकालिक सेवानिवृत्ति योजनाओं के माध्यम से खुदरा बचत को आगे बढ़ाते हैं।

इक्विनॉमिक्स के संस्थापक जी चोकालिंगम ने कहा, इससे पता चलता है कि खुदरा निवेशक अपने अल्पकालिक दांवों को लेकर ज्यादा समझदार हो रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से तेजी वाले बाजार में निवेश बढ़ता था और मंदी में उलट जाता था। इस बदलाव का एक कारण यह हो सकता है कि मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर अब लगातार 5वें साल बढ़त पर हैं जबकि पिछले चक्रों में तीसरे साल के बाद तेजी कम हो जाती थी। हाल ही में आई गिरावट भी कमज़ोर रही हैं और जल्दी ही पलट गई है।

कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह बिकवाली निवेशकों की तरफ से लॉस बुक करने या जरूरत से ज्यादा मूल्यांकन के कारण हुई है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के पूर्व खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, अगर खुदरा निवेशक ज्यादा कीमत वाले शेयर खरीदते हैं, तो बाज़ार में तेजी आने पर वे अक्सर मामूली नुकसान या मामूली मुनाफे पर निकल जाते हैं। वे लंबी अवधि की होल्डिंग्स भी बेच देते हैं, जहां उन्हें लगता है कि ज्यादा मूल्य नहीं बचा है या जब उन्हें निजी कामों के लिए नकदी की ज़रूरत होती है।

जसानी ने कहा, सूचीबद्धता के बाद शेयर की बिकवाली भी खुदरा बिकवाली के आंकड़ों को बढ़ा देती है। उन्होंने कहा, सूचीबद्ध होने के बाद के कुछ दिनों में बड़ी संख्या में खुदरा निवेशक निकल जाते हैं और यह खुदरा बिक्री के रूप में दिखाई देता है। आईपीओ आवंटन खरीदारी के पक्ष में नहीं दिखते। इसके अलावा, हालिया खबरों ने कुछ निवेशकों को बेचैन कर दिया है, जिससे वे सीधे निवेश कम करके म्युचुअल फंडों का रुख कर रहे हैं।

कुछ बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि खुदरा और म्युचुअल फंड निवेश के मुख्य आंकड़े अंतर्निहित व्यवहार को पूरी तरह से नहीं दर्शा पाते हैं तथा उन्होंने चेतावनी दी है कि बाजार में तेजी के दौरान खुदरा निकासी रणनीतिक निर्णयों के बजाय वित्तीय तनाव से प्रेरित हो सकता है।

स्वतंत्र इक्विटी विश्लेषक अंबरीश बालिगा ने कहा, हम मानते हैं कि खुदरा निवेशक सीधे इक्विटी और म्युचुअल फंड में समान रूप से निवेश करते हैं, जो हमेशा सच नहीं होता। जो व्यक्ति सक्रिय रूप से ट्रेडिंग करता है, वह म्युचुअल फंड में बहुत कम निवेश कर सकता है और इसका उलटा भी हो सकता है।

बालिगा ने कहा कि हाल में कई खुदरा निवेशकों ने रिटर्न सृजित करने के लिए संघर्ष किया है।

उन्होंने कहा, पिछले तीन-चार महीनों में बाजारों में तेजी आई है, लेकिन कई व्यक्तिगत पोर्टफोलियो में गिरावट जारी रही है। नए पैसे लगाने के बजाय निवेशक जब भी मौका मिले मुनाफ़ा कमा रहे हैं। जब उन्हें नुकसान हो रहा होता है तो वे घाटे वाले शेयरों को बनाए रखते हैं, मुनाफ़े वाले शेयरों को बेच देते हैं और नए निवेश करने से बचते हैं।

खुदरा निवेशकों की सतर्कता

- अक्टूबर में, बेंचमार्क निफ्टी में 4.5 फीसदी, निफ्टी मिडकैप 100 में 5.8 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 4.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई
- नवंबर में निफ्टी और निफ्टी मिडकैप 100 में बढ़त देखी गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 3 फीसदी लुढ़क गया।
- फिर भी खुदरा निवेशकों ने अक्टूबर और नवंबर में शेयर बेचे
- खुदरा निवेशक आमतौर पर बेंचमार्क सूचकांकों के बढ़ने पर शुद्ध विक्रेता और बाजार में गिरावट आने पर शुद्ध खरीदार बन गए

कमजोर रुपये से विदेशी निवेश पर संकट

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 3 दिसंबर

विदेशी निवेश

- मुद्रा का अवमूल्यन आम तौर पर एफपीआई निवेश के लिए नकारात्मक होता है
- 2025 में अब तक एफपीआई ने भारतीय इक्विटी से 1.5 लाख करोड़ रुपये निकाले हैं
- अनुकूल व्यापार समझौते से धारणा में सुधार होगा और एफपीआई को वापसी में मदद मिल

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में भारी गिरावट से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) के निवेश पर दबाव बने रहने की संभावना है क्योंकि कॉरपोरेट आय में सुधार और अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर प्रगति को निकासी में किसी भी उलटफेर के लिए अहम माना जा रहा है।

बुधवार को रुपया पहली बार 90 के स्तर को पार कर गया और 90.30 के रिकॉर्ड निचले स्तर को छूने के बाद 90.19 पर बंद हुआ। विश्लेषकों ने इस कमजोरी का कारण कम निर्यात (जो कई भारतीय वस्तुओं पर 50 फीसदी तक के अमेरिकी व्यापार शुल्क से प्रभावित है) और लगातार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली को बताया।

विशेषज्ञों का कहना है कि रुपये में कमजोरी से एफपीआई निवेश के निकट भविष्य के परिदृश्य पर असर पड़ सकता है। हालांकि भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था इस झटके को कम करने में मदद करेगी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि रुपये में कमजोरी के कारण आय वृद्धि के अनुमानों में कोई बदलाव नहीं होगा।

कोटक महिंद्रा ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी के मुख्य निवेश अधिकारी हर्ष उपाध्याय ने कहा, भावना के लिहाज से इसका असर तो पड़ेगा लेकिन कमाई के लिहाज से ऐसे बहुत कम क्षेत्र हैं जहां इसका दीर्घकालिक असर होगा। निर्यातकों को आम तौर पर लाभ होगा, लेकिन आयातकों को भी उनके वायदा अनुबंधों से कुछ हद तक सुरक्षा मिलेगी। रुपये की कमजोरी अलग-अलग क्षेत्रों पर अलग-अलग असर डाल सकती है, लेकिन कुल मिलाकर कमाई के लिहाज से इसका कोई खास असर नहीं पड़ने वाला है।

इस वित्त वर्ष में कंपनियों की आय वृद्धि एक अंक में रही है और अगले दो वित्त वर्षों में इसमें बढ़त का अनुमान है। वेलेंटिस एडवाइजर्स के संस्थापक और प्रबंध निदेशक ज्योतिवर्धन जयपुरिया ने कहा, मुद्रा का अवमूल्यन आम तौर पर एफपीआई निवेश के लिए नकारात्मक होता है।

उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि आय चक्र बदलेगा। दिसंबर तिमाही से हमें दो अंकों में वृद्धि की उम्मीद है। अगर आय नहीं बढ़ती है तो इससे निवेश प्रवाह प्रभावित हो सकता है। अमेरिका के साथ व्यापार समझौता भी एक बड़ा सकारात्मक पहलू हो सकता है।

जयपुरिया को उम्मीद है कि 2026 निवेश के लिए एक बेहतर साल होगा, क्योंकि 15 महीनों की लगातार बिकवाली के बाद वैश्विक निवेशक अब भारत में काफी कम निवेश कर रहे हैं। अक्टूबर 2024 से एफपीआई भारी शुद्ध बिकवाली कर रहे हैं, जो कंपनियों की लाभप्रदता में गिरावट, बढ़े हुए मूल्यांकन पर सवाल और अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण कमजोर पड़ गए हैं।

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये निजी इक्विटी निवेशकों की निकासी ने दबाव को और बढ़ा दिया है। 2025 में अब तक एफपीआई ने भारतीय इक्विटी से 1.5 लाख करोड़ रुपये निकाले हैं। विश्लेषकों का कहना है कि विदेशी निवेशक जल्दबाज़ी में वापसी नहीं कर सकते क्योंकि मुद्रा में उतार-चढ़ाव से संभावित लाभ कम होने का खतरा है।

विश्लेषकों ने कहा कि अनुकूल व्यापार समझौते से धारणा में सुधार होगा और एफपीआई को वापसी में मदद मिल सकती है क्योंकि इस वर्ष की गिरावट के बाद मूल्यांकन में नरमी आई है।

रुपया 90 के पार, चौथे दिन टूटे बाजार

बीएस संवाददाता
मुंबई, 3 दिसंबर

देसी बाजारों में बुधवार को लगातार चौथे दिन गिरावट दर्ज की गई क्योंकि रुपये में गिरावट ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी को लेकर चिंता पैदा हुई। इसके अलावा, अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में देरी ने भी बाजार के प्रदर्शन पर असर डाला।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स 375 अंक तक फिसल गया था, लेकिन अंत में 31.5 अंक यानी 0.04 फीसदी की गिरावट के साथ 85,107 पर बंद हुआ। निफ्टी 46 अंक यानी 0.2 फीसदी गिरकर 25,986 पर टिका। 27 नवंबर को अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद पिछले चार कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स और निफ्टी क्रमशः 0.7 फीसदी और 0.9 फीसदी नीचे आ चुके हैं।

उधर, बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 90 के पार चला गया और इस तरह से रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया।

16 प्रमुख क्षेत्रीय सूचकांकों में से 11 में गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 और निफ्टी मिडकैप 100 क्रमशः लगभग 0.7 फीसदी और 1 फीसदी टूटे। निफ्टी पीएसयू बैंक सूचकांक में सबसे ज्यादा 3.1 फीसदी की गिरावट आई, जो सात महीनों में सबसे ज्यादा है। यह गिरावट तब आई जब सरकार ने कहा कि वह इस क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा को बढ़ाकर 49 फीसदी करने पर विचार नहीं कर रही है।

रुपये में कमजोरी से इस क्षेत्र को फायदा होने की उम्मीद के चलते निफ्टी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सूचकांक में 0.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। मोतीलाल ओसवाल ने एक नोट में कहा कि आईटी के लिए मूल्यांकन बेहद आकर्षक बना हुआ है, जबकि उसने इन्फोसिस, विप्रो और एम्फैसिस को अपग्रेड किया है।

बाजार में चढ़ने व गिरने वाले शेयरों का अनुपात कमजोर रहा और 1,396 शेयर चढ़े जबकि 2,767 में गिरावट आई।

मीशो आईपीओ को पहले दिन मिले 2.4 गुना आवेदन

बीएस संवाददाता
मुंबई, 3 दिसंबर

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के पहले दिन बुधवार को 2.4 गुना आवेदन मिले। पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) श्रेणी में 2.12 गुना, धनाढ्य व्यक्तियों की (एचएनआई) श्रेणी में 1.8 गुना आवेदन मिले जबकि खुदरा खंड में करीब 4 गुना बोली के साथ मजबूत मांग देखी गई।

मंगलवार को मीशो ने एंकर निवेशकों से 2,440 करोड़ रुपये जुटाए थे, जिनमें एसबीआई म्युचुअल फंड, जीआईसी, फिडेलिटी, ब्लैकरॉक, ऐक्सिस म्युचुअल फंड, आदित्य बिड़ला म्युचुअल फंड और ड्रैगनियर जैसे तकनीक-केंद्रित निवेशक शामिल थे।

कंपनी ने 5,421 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 105-111 रुपये प्रति शेयर का कीमत दायरा निर्धारित किया है, जिसमें 4,250 करोड़ रुपये का नया निर्गम और 1,171 करोड़ रुपये का बिक्री प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल है।

कीमत दायरे के ऊपरी स्तर पर सॉफ्टबैंक और पीक 15 पार्टनर्स समर्थित इस कंपनी का मूल्यांकन लगभग 50,000 करोड़ रुपये बैठता है। वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में मीशो ने 5,578 करोड़ रुपये के राजस्व पर 700 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया।

ब्रोकरेज फर्म निर्मल बंग ने इस इश्यू को 'सबस्क्राइब' रेटिंग दी है। उन्होंने कहा, मीशो ने अपने शून्य-कमीशन, ऐसेट लाइट मॉडल के साथ टियर-2 और टियर-3 ई-कॉमर्स में अपनी मजबूत पकड़ बनाई है, जो गैर-मेट्रो बाजारों में विक्रेताओं, उपभोक्ताओं, कंटेंट क्रिएटर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियों को फायदा पहुंचाने वाले किफायती उत्पादों के एक इकोसिस्टम का समर्थन करता है। कीमत दायरे के ऊपरी स्तर पर इस शेयर का मूल्य वित्त वर्ष 2025 के मूल्य/बिक्री के 5.7 गुना पर है, जो उचित लगता है।

इक्विटी रिटर्न में मजबूती के लिए आय वृद्धि ने पकड़ी रफ्तार

अभिषेक कुमार
मुंबई, 3 दिसंबर

कोटक म्युचुअल फंड (एमएफ) ने बुधवार को अपने इक्विटी आउटलुक में कहा कि घरेलू इक्विटी बाजार कैलेंडर वर्ष 2026 में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार है क्योंकि कंपनियों की आय में दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद है।

कोटक महिंद्रा ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध निदेशक नीलेश शाह ने कहा, वित्त वर्ष 2026 में इक्विटी रिटर्न आय वृद्धि पर आधारित रहने की संभावना है और भारतीय उद्योग जगत से आगामी वित्तीय वर्ष में दो अंकों में वृद्धि की उम्मीद है।

हालांकि, उन्होंने निवेशकों को बेहतर होते परिदृश्य के बीच शेयरों में जरूरत से ज्यादा निवेश करने से सावधान किया। उन्होंने कहा, निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे रिटर्न की उम्मीदों को कम रखें और उभरते बाजार की गतिशीलता को समझने के लिए विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में संतुलित, विविध दृष्टिकोण अपनाएं।

फंड हाउस को वित्तीय सेवाओं, उपभोग, ई-कॉमर्स और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों और थीम में अवसर दिखाई दे रहे हैं। इसने कहा कि वित्तीय सेवा क्षेत्र में ऋण वृद्धि में तेजी देखी जा रही है। इसके अलावा, उन्हें लगता है कि ऋण और जमा वृद्धि के बीच कम होते अंतर से मार्जिन पर दबाव कम होगा और लाभप्रदता को बढ़ावा मिलेगा।

कोटक एमएफ ने कहा कि बढ़ती आय, जीएसटी सुधार और त्योहारी मांग से उपभोग में मजबूत उछाल आने की संभावना है, जबकि बढ़ती उम्र और बढ़ती पुरानी बीमारियों के साथ स्वास्थ्य सेवा पर खर्च बढ़ रहा है।

कोटक एमएफ ने निवेशकों से रिटर्न की उम्मीद में नरमी लाने और परिसंपत्ति आवंटन पर ध्यान देने को कहा

एसेट मैनेजर ने कहा कि अनुकूल मांग-आपूर्ति गतिशीलता और सहायक आर्थिक फंडामेंटल को देखते हुए फिक्स्ड इनकम पर भी उसका नजरिया रचनात्मक है। बाजार के बदलते हालात के साथ फिक्स्ड इनकम, पोर्टफोलियो में स्थिरता लाकर और जोखिम प्रबंधन में मदद करके एक सार्थक भूमिका निभाने के लिए तैयार है। ब्लूमबर्ग ग्लोबल एग्रीगेट इंडेक्स में भारत के प्रवेश की संभावनाएं भी मज़बूत हुई हैं और जनवरी 2026 में एक औपचारिक निर्णय की उम्मीद है। साथ ही करीब 25 अरब डॉलर का संभावित निवेश हो सकता है।

This is a Public Announcement for information purposes only and is not a prospectus announcement and does not constitute an invitation or offer to acquire, purchase or subscribe to securities.

(Please scan this QR Code to view the Prospectus)

PUBLIC ANNOUNCEMENT

Western Overseas

WESTERN OVERSEAS STUDY ABROAD LIMITED
(Formerly Known as Western Overseas Study Abroad Private Limited)
(CIN- U80903HR2013PLC050433)

Our Company was originally incorporated at Haryana as "Western Overseas Study Abroad Private Limited" on 18th September, 2013 under the provisions of the Companies Act, 1956 vide Certificate of Incorporation issued by the Registrar of Companies, National Capital Territory of Delhi and Haryana. Consequent upon the conversion of our Company to public limited company, the name of our Company was changed to "Western Overseas Study Abroad Limited" vide fresh certificate of incorporation dated 24th September, 2024 issued by the Registrar of Companies, Central Processing Centre. *For further details please refer to chapter titled "History and Corporate Structure" beginning on page 158 of this Prospectus.*

Registered Office: Ground Floor- First Floor, S.C.F No-27-28, Vikas Vihar, Ambala City, Ambala, Haryana, Pin Code: 134003.
Company Secretary and Compliance Officer: Ms. Shruti Gupta, **Website:** www.western-overseas.com **E-Mail:** info@western-overseas.com **Telephone No:** + 91-171-3500064

PROMOTERS OF OUR COMPANY: MR. PARDEEP BALYAN AND MS. REKHA RANI

"THE ISSUE IS BEING MADE IN ACCORDANCE WITH CHAPTER IX OF THE SEBI ICDR REGULATIONS (IPO OF SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES) AND THE EQUITY SHARES ARE PROPOSED TO BE LISTED ON SME PLATFORM OF BSE LIMITED (BSE SME)."

THE ISSUE

INITIAL PUBLIC OFFER OF 17,98,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹10/- EACH (THE "EQUITY SHARES") OF WESTERN OVERSEAS STUDY ABROAD LIMITED ("OUR COMPANY" OR "THE ISSUER") AT PRICE OF ₹ 56/- PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING TO ₹ 1,006.88 LAKHS ("THE ISSUE") OF WHICH UPTO 90,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF RS. 10/- EACH FOR CASH AT A PRICE OF RS. 56.00/- PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF RS. 46.00/- PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO RS. 50.40 LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS THE MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. NET ISSUE OF 17,08,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF RS. 10/- EACH AT A PRICE OF RS. 56.00/- PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF RS. 46.00/- PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO RS. 956.48 LAKHS (THE "NET ISSUE"). THE ISSUE AND THE NET ISSUE WILL CONSTITUTE UPTO 29.91% AND 28.41% RESPECTIVELY OF THE POST ISSUE PAID UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

FIXED PRICE ISSUE AT ₹ 56/- PER EQUITY SHARE
BIDS CAN BE MADE FOR A MINIMUM OF 4,000 EQUITY SHARES AND IN MULTIPLES OF 2,000 EQUITY SHARES THEREAFTER.

BID/ISSUE PROGRAMME
ISSUE OPENS ON: THURSDAY, DECEMBER 04, 2025
ISSUE CLOSES ON: MONDAY, DECEMBER 08, 2025

THE EQUITY SHARES OF THE COMPANY WILL GET LISTED ON SME PLATFORM OF BSE. FOR THE PURPOSE OF THE ISSUE, THE DESIGNATED STOCK EXCHANGE SHALL BE BSE. IN MAKING AN INVESTMENT DECISION, POTENTIAL INVESTORS MUST ONLY RELY ON THE INFORMATION INCLUDED IN THE PROSPECTUS AND THE TERMS OF THE ISSUE, INCLUDING THE RISKS INVOLVED AND NOT RELY ON ANY OTHER EXTERNAL SOURCES OF INFORMATION ABOUT THE ISSUE AVAILABLE IN ANY MANNER.
The Issue Price is justified based on the qualitative factors, quantitative factors and KPIs disclosed in the chapter title "Basis for Issue Price" beginning on page 85 of the Prospectus.

ASBA*	Simple, Safe, Smart way of Application!!!	*Application Supported by Blocked Amount (ASBA) is a better way of applying to issues by simply blocking the fund in the bank account. No cheque will be accepted. Investors have to apply through the ASBA process. For further details read section on ASBA below.	Mandatory In Public Issues From January 01, 2016. No Cheque Will Be Accepted.

UPI UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

UPI-Now available in ASBA for Individual Investor who applies for minimum application size and to other investors who applies for more than minimum application size for amount upto ₹5,00,000/-. UPI-Now available in ASBA for Individual Investors and other investors applying for amount upto ₹5,00,000/-, applying through Registered Brokers, DPs and RTAs. UPI Bidder also has the option to submit the application directly to the ASBA Bank (SCSBs) or to use the facility of linked online trading, demat and bank account. Investors are required to ensure that the bank account used for bidding is linked to their PAN. Bidders must ensure that their PAN is linked with Aadhaar and are in compliance with CBDT notification dated February 13, 2020, issued by the Central Board of Direct Taxes and the subsequent press releases, including press releases dated June 25, 2021 and September 17, 2021 and CBDT circular no. 7 of 2022, dated March 30, 2022 read with press release dated March 28, 2023 and any subsequent press releases in this regard
Investors have to apply through the ASBA process. ASBA has to be availed by all the Investors. For details on the ASBA process and the UPI process, please refer to the details given in ASBA form, Abridged Prospectus and also refer to the section "Issue Procedure" beginning on page no 244 of the Prospectus. The process is also available on the website of Association of Investment Bankers of India ('AIBI'), the Stock Exchange and in the General Information Document.
ASBA forms can be downloaded from the website of BSE Limited ("BSE") and can be obtained from the list of banks that is displayed on the website of SEBI at www.sebi.gov.in. List of banks supporting UPI is also available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in. ICICI Bank Limited has been appointed as Sponsor Bank for the Issue, in accordance with the requirements of the SEBI circular dated November 01, 2018, as amended.

ATTENTION INVESTORS
NOTICE TO INVESTORS ("NOTICE") – CORRIGENDUM TO THE PROSPECTUS DATED NOVEMBER 25, 2025 ("CORRIGENDUM")

*This Corrigendum is with reference to the Prospectus dated 25th November, 2025 filed with Registrar of Companies ("**ROC**").*
The attention of the investors is drawn to the following:
1. On page 241 of the Prospectus, particulars for Minimum Application Size in table for Issue structure in respect of the Issue shall stand replaced with the following:

Minimum Application Size	***For Other than Individual Investors who applies for minimum application size:*** *Such number of Equity Shares in multiples of 2000 Equity Shares of face value of ₹10/- each more than two lots and the Bid amount exceeds ₹2.00 lakhs.* ***For Individuals Investors who applies for minimum application size:*** *Two lots such that the application size shall be above ₹2.00 lakhs in multiples of 2000 Equity Shares.*

2. On page 75 and 78 of the Prospectus, the word "Expenditure to be met from Net Proceeds" shall stand replaced and be read as "Expenditure to be met from Internal Accruals".
The information above modifies and updates the information as applicable in the prospectus, the Prospectus accordingly stands amended to the extent stated hereinabove and the above changes are to be read in conjunction with the Prospectus. Unless specified otherwise, all capitalised terms used herein shall have the same meaning ascribed to such terms in Prospectus.
All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as prescribed to them in the Prospectus.

For Western Overseas Study Abroad Limited
On behalf of the Board of Directors
Sd/-
Pardeep Balyan
Managing Director
DIN: 06594346

Date *– 03/12/2025*
Place *– Ambala, Haryana*

LEAD MANAGER TO THE ISSUE	REGISTRAR TO THE ISSUE	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER
SOBHAGYA CAPITAL OPTIONS PVT. LTD. A SEBI Registered Merchant Banking Company	Skyline Financial Services Pvt. Ltd. Towards Excellence	Western Overseas
SOBHAGYA CAPITAL OPTIONS PRIVATE LIMITED **(Formerly Known as Sobhagya Capital Options Limited)** **Registered office:** E-227, Basement, East of Kailash, Delhi, Capital Territory of Delhi India - 110065 **Corporate office:** C-7&7A, Hosiery Complex, Phase-II Extension, Noida-201305, Uttar Pradesh **Tel No.** +91-7836066001 **Email Id:** cs@sobhagyacap.com **Investor Grievance Email:** delhi@sobhagyacap.com **Website**: www.sobhagyacap.com **SEBI Registration Number:** INM000008571 **Contact Person:** Mr. Rishabh Singhvi	**SKYLINE FINANCIAL SERVICES PRIVATE LIMITED** D-153A, First Floor, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi – 110020 **Tel. No.:** 011-40450193-197 **Fax No:** 011-26812683 **Email**: ipo@skylinerta.com **Investor Grievance Email:** grievances@skylinerta.com **Website:** www.skylinerta.com **SEBI Registration No.:** INR000003241 **Contact Person:** Mr. Anuj Rana	**MS. SHRUTI GUPTA** **WESTERN OVERSEAS STUDY ABROAD LIMITED** Ground Floor- First Floor, S.C.F No-27-28, Vikas Vihar, Ambala City, Ambala, Haryana, Pin Code: 134003 **Tel No:** + 91- 171-3500064 **Email:** info@western-overseas.com **Website**: www.western-overseas.com **Investors can contact the Company Secretary and Compliance Officer or the Registrar to the Issue in case of any pre-issue or post- issue related grievances, grievances including non-receipt of letters of allotment, non-credit of allotted equity shares in the respective beneficiary account, non-receipt of refund orders or non-receipt of funds by electronic mode, etc. For all Issue related queries and for redressal of complaints, investors may also write to the LM.**

Western Overseas Study Abroad is proposing, subject to market conditions and other considerations, public Issue of its Equity Shares and has filed the Prospectus with the Registrar of Companies, Delhi on November 27, 2025. The Prospectus is available on the website of the Lead Manager at www.sobhagyacapital.com the website of the BSE i.e., www.bseindia.com, and website of our Company at www.western-overseas.com

Investor should note that investment in equity shares involves a high degree of risk. For details, investors should refer to and rely on the Prospectus, including the section titled "Risk Factors" on page 27 of the Prospectus, which has been filed with ROC. The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act ("the Securities Act") or any state securities laws in United States and may not be issued or sold within the United States or to, or for the account or benefit of, "U.S, persons" (as defined in Regulations under the securities Act), except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the Securities Act of 1933.

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)